भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 725**

**दिनांक 04.12.2025 को उत्तर के लिए नियत**

## डिज़ाइन क्लिनिक योजना

**725. श्री करण भूषण सिंह:**

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

**(क)** उत्तर प्रदेश में डिज़ाइन क्लिनिक योजना के अंतर्गत पहचाने गए उद्योग समूहों की जिला-वार संख्या कितनी है;

**(ख)** उत्तर प्रदेश में विगत तीन वर्षों के दौरान डिजाइन अध्ययन के लिए उद्योग समूहों में आयोजित कार्यशालाओं की समय अवधि सहित उनकी जिला-वार संख्या कितनी है; और

**(ग)** उत्तर प्रदेश में गत तीन वर्षों के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के तीन आवेदकों तक के समूह को प्रारंभिक डिज़ाइन कार्य की प्रतिपूर्ति और चार या अधिक एमएसएमई के आवेदकों के समूह को प्रारंभिक डिजाइन कार्य की प्रतिपूर्ति और एमएसएमई के लिए किए गए अंतिम वर्ष के छात्र परियोजनाओं को वित्त पोषण सहायता के लिए प्रदान की गई वित्तीय सहायता के लिए उपयोग की गई निधि कितनी है?

**उत्तर**

**सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री**

**(सुश्री शोभा करांदलाजे)**

**(क) एवं (ख):** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय एक स्कीम अर्थात एमएसएमई इनोवेटिव स्कीम का कार्यान्वयन करता है, जो दिनांक 10.03.2022 को शुरू की गई है और जिसके अंतर्गत डिजाइन एक घटक है। इस स्कीम का उद्देश्य एमएसएमई को उत्पादों और सेवाओं की डिजाइन और विकास में सहायता प्रदान करना है। इस स्कीम का कार्यान्वयन पूरे देश में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) (कानपुर, इंदौर, बीएचयू, रूड़की, रोपड़, मंडी); एनआईटी (तिरुचिरापल्ली, वारंगल, सिलचर, अरुणाचल प्रदेश, जयपुर, इलाहाबाद, जम्मू-कश्मीर, भोपाल, नागपुर, कालीकट, कुरूक्षेत्र, सुरथकल, रायपुर) जैसी कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से किया जाता है। एमएसएमई, कार्यान्वयन एजेंसी के तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता के माध्यम से डिजाइन सहायता का लाभ उठा रहे हैं।

इस स्कीम के अंतर्गत कोई क्लस्टर-वार कार्यान्वयन नहीं किया जाता है। तथापि, क्लस्टर में एमएसएमई भी इस स्कीम के अंतर्गत सीधे लाभ उठा सकते हैं। अब तक की स्थिति के अनुसार, जागरूकता कार्यक्रम का विवरण तथा पिछले 3 वर्षों के दौरान भाग लेने वाले एमएसएमई की संख्या निम्नानुसार है:-

| क्र.सं. | जिला | जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या | भाग लेने वाले एमएसएमई की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | गौतम बुद्ध नगर | 6 | 173 |
| 2 | कानपुर | 6 | 175 |
| 3 | गाजियाबाद | 1 | 29 |
| 4 | वाराणसी | 2 | 63 |

**(ग)** स्कीम के शुभारंभ के बाद से अब तक की प्रगति का विवरण नीचे दिया गया है :

| वर्ष | डिजाइन परियोजनाओं की संख्या-अखिल भारतीय | डिज़ाइन परियोजनाओं की संख्या-उत्तर प्रदेश | अखिल भारतीय विद्यार्थी परियोजनाओं की संख्या | विद्यार्थी परियोजनाओं की संख्या-उत्तर प्रदेश | स्वीकृत राशि (भारत सरकार) (करोड़ में) |
|---|---|---|---|---|---|
| 2022-23 | 24 | 4 | 1 | 0 | 5.36 |
| 2023-24 | 23 | 6 | 2 | 1 | 4.20 |
| 2024-25 | 22 | 5 | शून्य | शून्य | 4.87 |

*******